वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 110 | गुरुवार 14 अगस्त 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक

राज्य को पानी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता : भजनलाल

जयपुर.का.स। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश को पानी के क्षेत्र में पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा अपने कार्यकाल की शुरूआत से ही विभिन्न महत्वपूर्ण जल एवं सिंचाई परियोजनाओं की पहल की गई है जिससे प्रदेशवासियों को जल की उपलब्धता बढ़ सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस सबंध में गत दो वर्षों में बजट में की गई विभिन्न घोषणाओं को धरातल पर मूर्त रूप देने के लिए काम में तेजी लाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक 15 दिन में मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रगति रिपोर्ट भेजी जाए। शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जल संसाधन विभाग, इंदिरा गांधी नहर विभाग एवं सिंचित क्षेत्र विकास विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास में पानी एक मूलभूत आवश्यकता है। जल की निर्बाध आपूर्ति से आमजन का जीवन सुगम होगा। ऐसे में, हमारी सरकार द्वारा जल स्त्रोतों का विकास कर उनकी संग्रहण क्षमता बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सिंचाई एवं पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नदियों के पानी को व्यर्थ नहीं बहने दिया जाए। पानी का पूरा उपयोग होगा तो किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ दिया जा सकेगा।

धरातल पर काम दिखना चाहिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि राम जलसेतु लिंक परियोजना राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है जिससे राज्य की एक बड़ी आबादी को निर्बाध जल की आपूर्ति होगी। ऐसे में, इस परियोजना को प्राथमिकता से लेते हुए अधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग कर चरणबद्ध एवं योजनाबद्ध तरीके से कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस महत्वपूर्ण परियोजना की क्रियान्विति में अधिकारी अनावश्यक देरी न करें, धरातल पर काम दिखना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को इस परियोजना की प्रगति रिपोर्ट हर 15 दिन में मुख्यमंत्री कार्यालय में भेजने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि राणा प्रताप सागर बांध-ब्राह्मणी नदी से बीसलपुर बांध में जल अपवर्तन लिंक की डीपीआर तैयार करने के लिए कार्य आदेश जारी किया जा चुका है। साथ ही, बीसलपुर बांध से बाणगंगा और रूपारेल नदी को जोड़े जाने संबंधी डीपीआर तैयार करने के लिए भी कार्यादेश जारी किया जा चुका है। बैठक में परियोजना के तहत मेज बैराज-बूंदी, डूंगरी बांध व राठौड़ बैराज तथा ईसरदा बांध से रामगढ़ बांध, जवाईपुरा एवं बीसलपुर बांध से मोर सागर-अजमेर के कार्यों सहित विभिन्न कार्यों की भी समीक्षा की गई।

अधिकारी फील्ड में जाकर परियोजनाओं को धरातल पर मूर्त रूप दें

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित के किसी भी कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा गैर-जिम्मेदार कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी फील्ड में जनता के बीच जाकर सक्रिय होकर काम करें। सरकार द्वारा आवश्यक संसाधनों में किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। साथ ही, परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए केन्द्र से भी लगातार समन्वय बनाए रखें।

जलाशयों में परिवर्तित करने के कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए

शर्मा ने इंदिरा गांधी नहर विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी मुख्य नहर की बुर्जी पर बने हुए चार प्राकृतिक डिप्रेशन को जलाशयों में परिवर्तित के कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए। साथ ही, जलाशयों के लिए भूमि अवाप्ति के कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाए। मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी नहर परियोजना की लिफ्ट नहरों की समीक्षा करते हुए कहा कि फव्वारा सिंचाई पद्धति को विशेष रूप से विकसित किया जाए।

भूमि अवाप्ति के कार्यों में लाएं तेजी

शर्मा ने कहा कि परवन वृहद् बहु-उद्देशीय सिंचाई परियोजना की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि परियोजना के तहत शेष डिग्गियों का निर्माण, रेडियल गेटों का इरेक्शन कार्य, पुनर्वास के सभी कार्यों को पूर्ण किया जाए। साथ ही, परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण की अवॉर्ड राशि का भुगतान भी किया जाए। उन्होंने कहा कि धौलपुर लिफ्ट सिंचाई परियोजना के तहत इन्टेक स्ट्रक्चर कार्य, पाइपलाइन बिछाने के कार्य एवं ईसरदा पेयजल परियोजना में पुनर्वास अवॉर्ड के कार्यों में गति लाई जाए। कालीतीर लिफ्ट परियोजना में फॉरेस्ट क्लियरेंस, भूमि अवाप्ति के लिए अवॉर्ड का कार्य को जल्द ही शुरू किया जाए।

3 हजार 236 छोटे बांधों के प्रबंधन के लिए नरेगा से करें समन्वय

शर्मा ने कहा कि जल संसाधन विभाग द्वारा 3 हजार 236 छोटे बांधों को पुनः जल संरचना के समुचित प्रबंधन के लिए मनरेगा से समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को इस कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यमुना जल समझौते, अपर हाई लेवल कैनाल, देवास तृतीय एवं चतुर्थ परियोजना, राजस्थान वॉटर सेक्टर लाइवलीहुड इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट, पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना में पैकेज 1 तथा पैकेज 3, बांध पुनर्वास एवं सुधार परियोजना, पम्प भण्डारण परियोजना सहित विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में शर्मा ने अधिकारियों को कहा कि भूमि अवाप्ति के अवार्ड, वन एवं पर्यावरण स्वीकृतियों एवं अन्य क्लीयरेंस के कार्य में तेजी लाई जाए। साथ ही, उन्होंने विभिन्न लंबित बजटीय घोषणाओं के एनआईटी, टेण्डर, वर्कऑर्डर तथा डीपीआर बनाने सहित विभिन्न कार्यों को तय समय में पूरा करने के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

राग से वितराग की साधना ही मोक्ष का सच्चा पथः महासती विद्याश्री

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

शांतिभवन में चातुर्मास की धर्मसभा में महासती विद्याश्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि राग से वितराग विषय केवल आध्यात्मिक चर्चा नहीं, बल्कि जीवन को मोक्ष की ओर ले जाने वाला मूल सूत्र है। उन्होंने कहा राग कोई साधारण भावना नहीं, यह जन्म-मरण के अनंत चक्र का कारण है। यह हमारी चेतना के गुप्त कोनों में कभी मोह के रूप में, कभी आसक्ति के रूप में, कभी प्रिय जनों के प्रति अतिप्रेम के रूप में और कभी वस्तुओं के प्रति लालसा के रूप में छिपा रहता है। राग ही वह अदृश्य रस्सी है, जो हमें संसार के चक्र में बाँधकर रखती है। जब तक यह बंधन टूटेगा नहीं, तब तक हमारी आत्मा संसार से मुक्त नहीं हो पाएगी। उन्होंने स्पष्ट करते हुए बताया वितरागता का अर्थ संसार से भागना या संबंध तोड़ना नहीं है, बल्कि भीतर से मोह और द्वेष की जड़ों को काटना है। वितराग वह अवस्था है, जब मन न किसी वस्तु से चिपका होता है और न किसी व्यक्ति से बँधा होता है। यही अवस्था हमारी आत्मा को मोक्ष के द्वार तक पहुँचा देती है। साध्वी हर्षश्री ने कहा कि मोक्ष कोई संयोग से मिलने वाली वस्तु नहीं, बल्कि साधना और संयम के सहारे प्राप्त होने वाली अवस्था है। धर्म ही वह साधन है, जो व्यक्ति को अज्ञान, अशांति और अशुद्धियों से मुक्त कर सच्चे आत्मस्वरूप की ओर ले जाता है। जैसे कोई यात्री मंज़िल तक पहुँचने के लिए साधन का सहारा लेता है, वैसे ही साधक को मोक्षमार्ग पर चलने के लिए धर्म का सहारा लेना पड़ता है। साध्वी जयश्री ने प्रवचन में कहा कि सच्चा जैन वही है, जो अपने आचरण से समाज में धर्म की पहचान बनाए। आज कई लोग स्तर (लेवल) से जैन हैं, लेकिन परिचय और आचरण (लेबल) से जैन नहीं हैं। केवल नाम या कुल से जैन होना पर्याप्त नहीं है। यदि हमारे विचार, वचन और कर्म जैन सिद्धांतों के अनुरूप नहीं हैं, तो हमारा जैनत्व अधूरा है। सभा के अंत मे उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा ने प्रद्युम्न चारित्र का विवेचन किया। इस अवसर पर संघ के संरक्षक नवरतनमल बंब, अध्यक्ष राजेंद्र चीपड़, मंत्री नवरतनमल भलावत,कंवरलाल सूरिया, मदनलाल चौरड़िया,आनंद चपलोत, मुकेश मेड़तवाल, दिनेश बंब, भैरूलाल सूरिया, मनीष बंब, कमला चौधरी, बलवीर देवी चोरड़िया, सिम्मी पोखरना, मंजू खटवड़, प्रमीला सूरिया सहित विभिन्न क्षेत्रों से पधारे अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे और प्रवचनों से लाभान्वित हुए। निलिप्का जैन ने बताया कि आगामी 17 अगस्त को शांतिभवन में उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा के सानिध्य में चंदनबाला बालिका मंडल संयुक्त मेवाड़ का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित होगा, जिसमें देशभर से 1000 बालिकाएँ भाग लेंगी। सम्पूर्ण अधिवेशन के लाभार्थी राजस्थान जैन कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष आनंद अंजू चपलोत हैं।

-प्रवक्ता निलिप्का जैन

सीआईएसएफ ने निकाली तिरंगा रैली - हर घर तिरंगा अभियान के तहत आमजन को किया जागरूक

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। सीआईएसएफ मुख्यालय के निर्देशानुसार सीआईएसएफ यूनिट केटीपीएस कोटा द्वारा 13 अगस्त 2025 को प्रातः 6:30 बजे ''हर घर तिरंगा'' अभियान के तहत भव्य 'तिरंगा' मोटर साइकिल रैली का आयोजन किया गया। उप कमाण्डेन्ट राम सुख ने बताया कि रैली थर्मल प्लान्ट के मुख्य द्वार से प्रारम्भ होकर नाका चुंगी सर्किल, रिवर फ्रंट और थर्मल कॉलोनी होते हुए केएसटीपीएस कोटा में संपन्न हुई। इस रैली में कुल 45 सीआईएसएफ कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली का मुख्य उद्देश्य भारत के 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना तथा प्रत्येक घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के संकल्प को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना था।

चेहरे बहुत भोले हैं सच मानो तो बारूद के गोले है : आचार्य प्रसन्न सागर

रक्षा बंधन पर भव्य शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न

अंतर्मना सानिध्य में 100 दिन में तैयार होगा गुफा मंदिर , तरुण सागर आर्ट गैलरी होगी आकर्षण का केंद्र

गाजियाबाद, सोनकच्छ। स्वयं का ज्ञान विवेक बुद्धि सर्वोच्च है इसके बिना सब अधूरा है। हम दूसरों को जताने के प्रयास में अपने समय को नष्ट कर रहे है। पहले घरों में संवाद और अपनापन था लेकिन जब से साधन और सुविधाएं आई है इन्होंने परिवारों में दूरियां बढ़ा दी है।... यह बात भारत गौरव अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज ने ससंघ के साथ श्री तरूणसागरम् पार्श्वनाथ धाम, जिला-गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के धर्म परिसर में उपस्थित भक्तों से कही । उन्होंन कहा की व्यक्ति जैसे दिखते हे वैसे है नहीं क्योंकि ये चेहरे बहुत भोले हैं सच मानो तो बारूद के गोले है। इसलिए सही की पहचान करने के लिए आध्यात्म बहुत जरूरी है। क्योंकि अध्यात्म ही स्वयं को स्वयं की अनुभूति करा के दूसरों पहचान करने एक मात्र साधन है।

रक्षा बंधन पर भव्य शिलान्यास आयोजन

आचार्य सन्मति सागर तरुण सागर व भगवान पारस नाथ विराजेंगे गुफा मन्दिर में : तरुणसागरम् तीर्थ के वर्षायोग 2025 में परम पूज्य गुरुदेव उत्तम सिंह निष्क्रिडित व्रतकर्ता साधना महोदधि अंतर्मना आचार्य 108 श्री प्रसन्न सागरजी महाराज जी ससंघ के पावन सानिध्य उपाध्याय श्री पियूष सागरजी महाराज जी ओरप्रतिष्ठाचार्य श्री प्रदीप जी जैन मधुर के निर्देशन रक्षाबंधनपर भव्य गुफा मंदिर का शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ। जहां 1008 देवाधिदेव भगवान पार्श्वनाथ जी की प्रतिमा समाधिस्थ तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी महाराज ओरसमाधिस्थ क्रांतिकारी संत आचार्य श्री तरुण सागर जी महाराज जी की प्रतिमा विराजमान की जायेगी और तरुण सागर जी महाराज जी की जीवन की उपलब्धियो की एक आर्ट गेलेरी बनाई जायेगी। विशेष यह गुफा मंदिर मात्र 100 दिन में तैयार होगा और अंतर्मना गुरुदेव के पावन सानिध्य में भव्य प्रतिष्ठा सम्पन्न होगी।

जेएसजी हैरिटेज सिटी एवं संगिनी हेरिटेज सिटी द्वारा आयोजित किए सामाजिक सेवा एवं जीवदया के कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन के स्थापना दिवस दिनांक 17 अगस्त के अवसर पर नॉर्दर्न रीजन द्वारा दिनांक 10 अगस्त 2025 से 17 अगस्त 2025 तक सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत जैन सोशल ग्रुप हेरिटेज सिटी एवं संगिनी हेरिटेज सिटी , जयपुर द्वारा विभिन्न सामाजिक एवं जीव दया के सेवा कार्य इस सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत किए जा रहे हैं। हेरिटेज सिटी के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज एवं अध्यक्ष नितिन पाटनी ने बताया कि दिनांक 10 अगस्त 2025 को ग्रुप द्वारा एवं संगिनी हेरिटेज सिटी द्वारा श्री पुरुषोत्तम मेमोरियल एवं चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर में अनाथ बच्चों को राशन सामग्री का वितरण किया गया।इस अवसर पर चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी सुरेश पाटोदिया, नॉर्दर्न रीजन चेयरमैन राजीव पाटनी, सचिव रविन्द्र बिलाला, कोषाध्यक्ष तरुण जैन, हैरिटेज सिटी ग्रुप के सचिव अरुण पाटनी, कोषाध्यक्ष राजीव बज पूर्व अध्यक्ष शांति काला एवं संगनी हेरिटेज की अध्यक्षा श्रीमती शशि बज, सचिव श्रीमती दीपाली पाटनी, कोषाध्यक्ष श्रीमती रेणु काला, श्रीमती रेणु बज, श्रीमती अल्का लोंग्या उपस्थित रहीं। दिनांक 11 अगस्त 2025 को जरूरतमंद व्यक्तियों को अन्नपूर्णा भोजनालय ,बजाज नगर गांधीनगर रेलवे स्टेशन के सामने भोजन वितरण का कार्य किया गया। 12 अगस्त 2025 को श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सांखना में छोटे बच्चों को स्टेशनरी, कॉपियां तथा छत्रियों का वितरण एवं एक आटा चक्की प्रदान की गई ।दिनांक 13 अगस्त 2025 को हळढ के सामने आदिनाथ नगर स्थित पार्क में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया तथा 22 गोदाम करतारपुरा में स्थित स्कूल में बच्चों को स्टेशनरी आइटम्स का वितरण किया गया। दिनांक 14 अगस्त को वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों को भोजन व वस्त्र वितरण तथा 15 अगस्त को ठऋड के माध्यम से निर्धन महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरण व मूकबधिर स्कूल सांगानेर में आवश्यक सामग्री वितरण एवं 16 अगस्त को महावीर नगर, कीर्ति नगर एवं शांति नगर के जिनालयों में जिनवाणी की देखरेख एवं सुरक्षा कार्य तथा 17 अगस्त को दुर्गापुरा, पिंजरापोल गौशाला वो डिग्गी रोड स्थित गौशाला में गायों को चारा, गुढ लापसी वितरण एवं पक्षी शाला में कबूतरों को दाना वितरण किया जाएगा। उपरोक्त सभी सेवा कार्यों में ग्रुप के सम्माननीय सदस्यों द्वारा सहयोग प्रदान किया गया है ।

वेद ज्ञान

दूसरों के दुखों को महसूस करें

इंसान समाज में रहता है। इसलिए समाज ने उसके कुछ दायित्व भी तय किए हैं। हालांकि समाज हमसे कोई विशेष कार्य की मांग नहीं करता, बल्कि जो कुछ हमें समाज से प्राप्त होता है, उसे ही हमें किसी न किसी रूप में समाज को वापस करना होता है। मनुष्य को कभी भी यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि उसका अस्तित्व समाज से है, समाज का अस्तित्व उससे नहीं। जो मनुष्य समाज से अलग-थलग होकर चलते हैं, उन्हें जीवनभर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जबकि जो व्यक्ति समाज के साथ मिलकर चलते हैं, उनकी बड़ी से बड़ी समस्या तक मिनटों में हल हो जाती है। इसका कारण यही है कि सामाजिक होने के कारण ही प्रत्येक व्यक्ति हमारी समस्या या चिंता का निदान खोजने की कोशिश करता है। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर जनहित और लोक-कल्याण के बारे में सोचे। जब हम दूसरों के बारे में सोचकर कर्म करते हैं तो हमें इसका दोहरा लाभ मिलता है। हमें आत्म-संतुष्टि का अहसास होता है, जबकि ऐसा करके हम अपने भविष्य के कष्टों को भी काटते या उनका प्रभाव कम करते हैं। हमारे जनहित के कार्य से जितने भी लोग प्रभावित-लाभान्वित होते हैं, वे बदले में हमें प्यार, स्नेह, आशीर्वाद और दुआ देते हैं, जिससे हमारे कष्ट अप्रभावी हो जाते हैं या फिर हममें उन्हें सहने की असीम ताकत आ जाती है। इसी तरह यदि हमसे भूतकाल में जाने-अनजाने कोई पाप या गलत कार्य हो गया हो तो भी जनहित से जुड़े कार्य करके मनुष्य पश्चाताप या मुक्ति प्राप्त कर सकता है। धर्म-शास्त्रों में कहा गया है कि यदि किसी मनुष्य ने अपने जीवन का तीन चौथाई हिस्सा गलत कार्यों में खर्च कर दिया है तो भी वह शेष बचे समय में सद्कर्म या जनहित के कार्य करके पश्चाताप कर सकता है। अर्थात अंत भला तो सब भला। जनहित के कार्य करने के लिए मनुष्य को केवल एक छोटा-सा प्रयास करना होता है। दुख-दर्द सभी के जीवन में हैं, लेकिन जो व्यक्ति अपने दुखों को ही सबसे बड़ा और जटिल मान लेता है, उससे जनहित के कार्य करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

संपादकीय

ज्यादा सख्त होना कितना उचित

इसमें कोई दोराय नहीं कि सभ्यता के विकास क्रम में सहयोग और जरूरत के मुताबिक कुछ जीव-जंतु मनुष्य की आम जीवनशैली में घुलमिल गए और कई लोग आज कुछ पशु या पक्षियों को अपने साथ एक अभिन्न हिस्से के तौर पर देखते हैं कुत्ता उनमें से एक है, जिसे आज बहुत सारे घरों में एक पालतू पशु के रूप में भी जगह मिली है। वहीं सड़कों गलियों में घूमते ऐसे तमाम आवारा में कुत्ते हैं, जो हमेशा तो नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन

हाल के वर्षों में ऐसी घटनाओं में तेज बढ़ोतरी हुई है, जिनमें उनकी वजह से खासतौर पर बच्चों और बुजुगों के सामने जोखिम पैदा हुआ है। देश के अलग-अलग हिस्सों से अक्सर इस तरह की खबरें आती हैं, जिनमें घर के बाहर गली या चौराहे पर रहने वाले कुत्तों ने किसी बच्चे या फिर बुजुर्ग को नोच खाया या मार डाला। इसके अलावा, कुत्तों के काटने से होने वाले रेबीज के संक्रमण के भी मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। शायद ऐसी घटनाओं में खासी बढ़ोतरी को देखते हुए ही सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर स्वतः संज्ञान लिया और एक अहम आदेश जारी किया। शीर्ष अदालत ने कुत्तों के काटने और रेबीज की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि आठ हफ्तों के भीतर दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सड़कों से सभी आवारा कुत्तों को हटाया जाए और उन्हें कुत्तों के लिए बने आश्रय गृहों में रखा जाए। निश्चित रूप से अदालत के इस आदेश के पीछे आवारा कुत्तों से उपजी समस्या के दिनोंदिन गंभीर शक्ल अख्तियार करते जाना और इंसानी जीवन के सामने बढ़ते जोखिम के प्रति चिंता है। मगर इस आदेश के साथ ही समाज में इस बात पर बहस खड़ी हो गई है कि कुत्तों के प्रति दयाभाव रखने वाले समाज में ज्यादा सख्त होना कितना उचित है। पशुओं या किसी भी जीव के प्रति संवेदनशील होना एक सहज मानवीय गुण है। यह भी समझा जा सकता है कि इंसानी बस्तियों के विस्तार के साथ-साथ जीव-जंतुओं के पर्यावास के क्षेत्र जैसे-जैसे सिकुड़ते गए हैं, वैसे-वैसे दूसरे पशुओं और पक्षियों का सहज जीवन बाधित हुआ है। ऐसे में आवारा कुत्तों के स्वभाव में भी बदलाव आया है और उनके भीतर आक्रामकता बढ़ी है। इस स्थिति का खमियाजा सीधे तौर पर आम लोगों को उठाना पड़ा है। दुनिया के कई देशों में आवारा कुत्तों और उनसे उपजी समस्या से निपटने के लिए कारगर उपाय किए गए हैं, तो भारत में इस पर एक व्यावहारिक नजरिया अपनाया जा सकता है। रेबीज से बचाव के लिए टीकाकरण से लेकर बंध्याकरण और कुत्तों के अनुकूल उचित माहौल के आश्रय गृह बना कर कुछ हद तक इस समस्या से पार पाने की कोशिश की जा सकती है। दरअसल, समस्या को स्वीकार करना उसका हल निकालने की शुरूआत है। सरकार ने इसी साल एक अप्रैल को लोकसभा में बताया था कि पिछले वर्ष देश भर में कुत्तों के काटने के करीब सैतीस लाख पंद्रह हजार मामले सामने आए थे। अकेले दिल्ली में पिछले वर्ष रेबीज से चौवन मौतें दर्ज की गई थीं। देश भर में रेबीज से हर वर्ष अठारह से बीस हजार मौतें होती हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

लोकतंत्र पर खतरे

प ट्रम्प के वक्तव्यों और फैसलों से दुनिया हैरान है। इतिहास में ऐसा कोई नेता याद नहीं आता, जिसने इतनी ढिठाई से नोबेल सम्मान की मांग की हो। जिसने लगातार शेखी भरे बयान दिए हों और उनसे हो जो लगभग ब्लैकमेलिंग की भाषा में दूसरे देशों को धमकाने की कोशिश करता हो। सवाल है कि ट्रम्प अमेरिका के राष्ट्रपति कैसे बन गए वो भी दूसरी बार ? इसे सवाल का जवाब उनके पहली बार चुने जाने के समय दो लेखकों- स्टीवेन लेविस्की और डेनियल जिब्लाट ने अपनी किताब ''हाऊ डेमोक्रेसीज डाई' में खोजने की कोशिश की थी। इस किताब में अमेरिकी लोकतंत्र और संविधान में 'गेटकीपिंग' के इंतजामों की नाकामी पर विचार किया गया है। किताब बताती है कि अब लोकतंत्र को फौजी बूटों और संगीनों से नहीं, बिल्कुल लोकतांत्रिक तरीकों से कुचला जाता है। लेखक इस बात पर मायूस होते हैं कि लोकतंत्र के खात्मे का जो अध्ययन वे दूसरे, छोटे समझे जाने वाले मुल्कों को आधार में रखकर कर रहे थे, वह उनके अपने मुल्क में भी घटित होता दिखेगा, इसकी उन्होंने कल्पना नहीं की थी। वे लोकतंत्र की पोशाक पहन कर आने वाले अधिनायकों की पहचान की चार कसौटियां भी बताते हैं- पहली यह कि वे लोकतांत्रिक तौर-तरीकों को अस्वीकृत करते हैं या उनके प्रति कम प्रतिबद्धता दिखाते हैं। दूसरे, वे अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की वैधता को नकारते हैं- उन्हें देश के लिए खतरा या विदेशी एजेंट बताते हैं। तीसरी वे हिंसा को सहन करते या बढ़ावा देते हैं। चौथी वे नागरिक अधिकारों और मीडिया की आजादी में कटौती की मंशा रखते हैं। ट्रम्प जिस तरह विरोधियों से पेश आते हैं, जिस तरह अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठान के भीतर अपनी निजी राय को अहमियत देते हुए मीडिया सहित अन्य लोगों को झूठा साबित करने पर आमादा दिखाई देते हैं और इस प्रक्रिया में एक के बाद एक गलतबयानी करते हैं- उससे लगता है उनके भीतर अधिनायकवाद की प्रवृत्ति इन चारों कसौटियों से और आगे की है। लेकिन यह अधिनायकवादी प्रवृत्ति अमेरिकी लोकतंत्र ने स्वीकार क्यों की? क्योंकि उन्होंने ''अमेरिका फर्स्ट'' जैसा नारा दिया, अपने को वहां का प्रथम नागरिक मानने वाली श्वेत आबादी के भीतर अन्याय झेलने की नकली तकलीफ पैदा की और बताया कि वे सच्चे अमेरिकी हैं। दुर्भाग्य से यह सच्चा अमेरिकी सबसे ज्यादा अमेरिका के उन उदारवादी मूल्यों के ही खिलाफ खड़ा दिखता है, जिन्होंने बीती दो सदियों में अमेरिका को दुनिया का महान देश बनाया है। इन तमाम वर्षों में अमेरिका सबका स्वागत करता रहा, सबके लिए घर बना रहा, दुनिया भर से उद्यमी और पेशेवर आकर अमेरिकी बनते रहे और अमेरिका को बनाते रहे। लेकिन यह प्रक्रिया अब खतरे में है। 'अमेरिका फर्स्ट' के नाम पर जो नया अमेरिका बन रहा है, वह उसे कुछ कमजोर ही करेगा। वैसे भी अमेरिकी हितों के नाम पर अमेरिका के सत्ता प्रतिष्ठान ने दुनिया भर में जितने बम गिराए हैं, युद्ध कराए हैं, उससे अमेरिकी राष्ट्र-राज्य की प्रतिष्ठा पहले ही धूमिल हुई है। दुनिया के कई देशों में उस प्रक्रिया की प्रतिच्छायाएं दिखाई पड़ती हैं, जिससे ट्रम्प पैदा होते हैं। लोकतंत्र सिर्फ वोटतंत्र नहीं होता, वह सामूहिकता की ऐसी भावना भी होता है, जिसमें सारे नागरिक बराबर हों- भारतीय संविधान ने इस बराबरी की गारंटी देकर इस लोकतांत्रिक भावना को ऐसी जमीन दी है, जिसे खत्म करना लगभग असंभव है।

लोभ का विसर्जन ही व्यक्ति को महान बनाता है: गुरुमां विज्ञाश्री माताजी

भोपाल. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर दानिश कुंज कोलार रोड भोपाल मध्यप्रदेश की पावन भूमि पर वर्षायोग 2025 के अंतर्गत साधनारत परम पूज्या भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में धर्म की महती प्रभावना चल रही है। अनेकानेक धार्मिक शिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी के अंतर्गत बच्चों से लेकर बुजुर्ग वर्ग के भक्तों का उत्साह धर्म के कार्यों में अधिक देखने में आया। पूज्या गुरु मां के मुखारविंद से निसृत जिनवाणी का रसपान करने का सौभाग्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हो रहा है। आज मेरी भावना में प्रवचन के अंतर्गत गुरु मां ने संबोधित करते हुए कहा कि लोभी व्यक्ति को धर्म क्रिया में रुचि नहीं लगती। धर्म में भी वह अपने लोभ की ही पुष्टि करना चाहता है। इसके लिए आचार्य श्री ने संतोष रुपी अमृत का रसपान करने का उपदेश दिया। तीर्थंकरों के पास सब कुछ था। स्वर्ग से भोजन, वस्त्राभूषण आते थे फिर भी उन्होंने सब कुछ होकर भी सब कुछ त्याग दिया। और संसारी प्राणी इतनी धन-संपदा नहीं है फिर भी छोड़ नहीं पा रहा है। यह लोभ ही हमें महान नहीं बनने देगा। इसलिए लोभ का विसर्जन करें। आगामी 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस पर गुरु मां के मुखारविंद से विशेष प्रवचनों का आयोजन किया जाएगा। आत्म स्वतंत्रता का संदेश दिया जावेगा।

जे एस जी कैपिटल संगिनी फोरम ने कुष्ठ आश्रम में फल व राशन वितरण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन सेवा सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत आगरा रोड स्थित महात्मा गांधी कुष्ठ आश्रम में वहां रह रहे साथियों के लिए संगिनी कैपिटल फोरम द्वारा तीन तरह के फल,तीन तरह के बिस्किट,खाने का तेल,जरूरत के घर के सामान, साड़ीया , शर्ट,पेंट आदि का वितरण किया । इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष अलका जैन,सचिव सुनीता पाटोदी के साथ पूर्व अध्यक्ष शकुंतला पांड्या , नलिनी जैन,मंजू गंगवाल मीना अजमेरा , मधुलिका जैन, प्रदीप जैन,राजेंद्र जैन ,सुधीर गोधा उपस्थित रहे । सपना गोदिका की आज के सेवा कार्य में महती भूमिका रही। शुरू में सभी ने नवकार मंत्र का वाचन किया । सचिव सुनीता पाटोदी ने सभी सदस्यों का ,वहां के निवासियों का धन्यवाद दिया

"वन वर्ल्ड वन फेमिली मिशन" भारत में एक 100-दिवसीय विश्व सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित करेगा

चिकबलपुर. शाबाश इंडिया

इस दशक का एक अभूतपूर्व सांस्कृतिक समागम– 'विश्व सांस्कृतिक महोत्सव' 16 अगस्त से 23 नवम्बर 2025 तक कर्नाटक के सत्य साई ग्राम में आयोजित किया जा रहा है। इस महोत्सव का आयोजन 100 देशों में सक्रिय ''वन वर्ल्ड वन फेमिली मिशन'' कर रहा है। यह महोत्सव 100 राष्ट्रों को 100 दिनों तक एक सूत्र में बाँधेगा, जहाँ कला, संगीत, अध्यात्म एवं सेवा के माध्यम से मानवता की साझी चेतना का सजीव अभिव्यक्तिकरण होगा। यह सीमाओं से परे जोड़ने वाली विविधता में एकता का तथा मानवीय मूल्यों का एक सशक्त उत्सव होगा। इस महोत्सव में प्रत्येक दिवस एक विशिष्ट देश को समर्पित होगा, जिसमें उस राष्ट्र की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक जड़ों पर प्रकाश डालते हुए किसी विख्यात वक्ता का, और वन वर्ल्ड वन फेमिली मिशन (एक विश्व एक परिवार सेवा-अभियान) के संस्थापक एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शक सद्गुरु श्री मधुसूदन साई का सार्वभौमिक सत्यों पर एक उद्बोधन होगा; तत्पश्चात उस विशिष्ट राष्ट्र में किए गए विशिष्ट मानवीय सेवा-कार्य का सम्मान किया जाएगा एवं एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। उत्सव में भव्य आध्यात्मिक अनुष्ठान भी सम्मिलित होंगे, जिनमें देवी-शक्ति का उत्सव मना कर विश्वव्यापी सामंजस्य का आह्वान करने वाले नवरात्रि पर्व पर अति रुद्र महायज्ञ एवं दुर्गा पूजा का आयोजन प्रमुख हैं। इस महोत्सव का एक प्रमुख आकर्षण विश्व के विशालतम निःशुल्क निजी ग्रामीण चिकित्सालय का उद्घाटन होगा, जो वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की खाई को पाटने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम होगा। साझे उल्लास की इस भावना में, साई सिम्फनी वर्ल्ड ऑर्केस्ट्रा में 40 देशों के 400 संगीतज्ञ सम्मिलित होकर प्रस्तुति देंगे, जिनमें भारत के सबसे बड़े विद्यालयी ऑर्केस्ट्रा, साई सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा के 170 बालक-बालिकाएँ भी सामंजस्य एवं आशा की एक सशक्त संगीतमय प्रस्तुति देंगे। साझा मानवीय मूल्यों तथा परस्पर सम्मान की शक्ति को सुदृढ़ करने हेतु एक सार्थक अंतर-धार्मिक संवाद संभव करने के लिए विश्व धर्म सम्मेलन विभिन्न आस्थाओं के आध्यात्मिक नेताओं को एकजुट करेगा। महोत्सव का समापन, भगवान श्री सत्य साई बाबा की जन्म शताब्दी जयंती समारोह के रूप में होगा, जिनका प्रेम एवं सेवा का संदेश आज भी विश्व भर में करोड़ों लोगों को प्रेरणा प्रदान कर रहा है। विश्व सांस्कृतिक महोत्सव एक ऐसा दुर्लभ अवसर है जो यह स्थापित करेगा कि जब मानवता शुद्ध भावना एवं निःस्वार्थ प्रेम के साथ एकजुट होती है, तब क्या अभूतपूर्व संभव हो सकता है। इस विलक्षण वैश्विक समागम के साक्षी बनने हेतु प्रत्येक का स्वागत है।

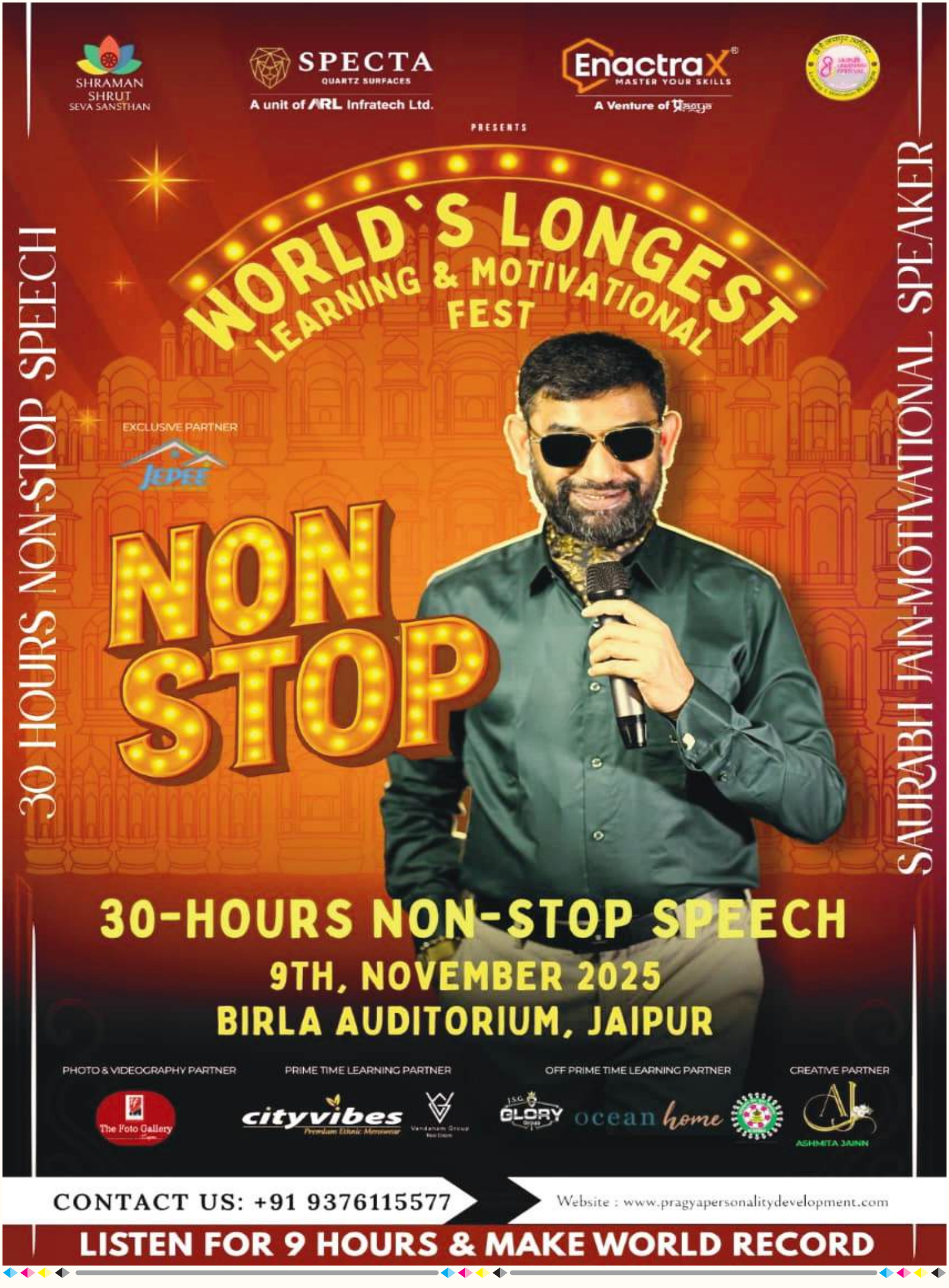
SHRAMAN SHRUT SEVA SANSTHAN
SPECTA QUARTZ SURFACES
A unit of ARL Infratech Ltd.
EnactraX MASTER YOUR SKILLS
A Venture of Pragya
PRESENTS
WORLD'S LONGEST LEARNING & MOTIVATIONAL FEST
30 HOURS NON-STOP SPEECH
SAURABH JAIN-MOTIVATIONAL SPEAKER
EXCLUSIVE PARTNER
JEPEE
NON STOP
30-HOURS NON-STOP SPEECH
9TH, NOVEMBER 2025
BIRLA AUDITORIUM, JAIPUR
PHOTO & VIDEOGRAPHY PARTNER
The Foto Gallery
PRIME TIME LEARNING PARTNER
cityvibes
OFF PRIME TIME LEARNING PARTNER
GLORY
ocean home
CREATIVE PARTNER
ASHMITA JAINN
CONTACT US: +91 9376115577
Website : www.pragyapersonalitydevelopment.com
LISTEN FOR 9 HOURS & MAKE WORLD RECORD

जेएसजी संस्कार की तिरंगा रैली आयोजित

पिछोला झील में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप इन्टरनेशनल फेडरेशन के सेवा सप्ताह के अन्तर्गत स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जैन सोशल ग्रुप संस्कार द्वारा एक अनूठा, रोचक व देशभक्ति के संदेश को प्रसारित करने वाला कार्यक्रम आयोजित किया गया। शहर के दुधतलाई क्षेत्र में संस्कार ग्रुप के 162 सदस्यों ने मिलकर एक भव्य तिरंगा परेड का आयोजन किया, जिसमें सभी सदस्यों ने देशभक्ति के जज्बे और उमंग के साथ भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य देशभक्ति का संदेश फैलाना और युवाओं में स्वतंत्रता संग्राम की विरासत को जीवंत रखना था। ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि सायं 5 बजे दुधतलाई पाल पर हाई टी के पश्चात संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश कोठारी के नेतृत्व में तिरंगा ध्वज लहराते हुए इस विशाल रैली का शुभारंभ हुआ। पूरे क्षेत्र में देशभक्ति के गीतों और नारों की गूंज सुनाई देने लगी। यह दृश्य न केवल उत्साहवर्धक था बल्कि राष्ट्रीय भावना का प्रतीक भी था। ग्रुप अध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन ने इस अवसर पर सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा, यह आयोजन उनके लिए गर्व का क्षण है और देश के प्रति समर्पण का प्रतीक है। सचिव जितेंद्र धाकड़ ने सभी सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह आयोजन हमारे देश के प्रति प्रेम और सम्मान का प्रतीक है।

पिछोला झील में नौका विहार के साथ फहराया तिरंगा

परेड के बाद छः नौकाओं में ग्रुप के सभी सदस्यों ने तिरंगे ध्वज को पिछोला झील में फहराते हुए नौका विहार का आनंद लिया। इस दौरान झील के किनारे स्थित ऐतिहासिक स्थल सिटी पैलेस, गणगौर घाट, लेक पैलेस, जग मंदिर अमराई घाट, राम मंदिर, बंशीघाट, आदि ऐतिहासिक स्थलों का मनमोहक दृश्य देखा गया। सूर्यास्त से पहले और सूर्यास्त के बाद के समय में झील का नजारा अत्यंत ही मनमोहक था। झील के शांत जल और लेक के किनारे ऐतिहासिक स्थलों की लाइटिंग व आसमान की रंगीनिमा ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अद्भुत दृश्य का अनुभव सदस्यों के दिलों में अनमोल स्मृति बन गया। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित संपादित करने में प्रकाश जी कोठारी साहब के नेतृत्व में जितेंद्र धाकड़,राजेंद्र चौरड़िया, राजेश सामर,हिम्मत जैन, मनीष पोखरना, ललित मोगरा, ललित धुप्या, प्रमोद कोठारी, रौनक कोठारी, राजेंद्र धुप्या, राजेंद्र जारौली,सुनील मेहता के साथ ही ग्रुप के अन्य कई सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बेलवा में क्लब पदाधिकारियों के लिए मतदान सम्पन्न

बेलवा, बालेसर, जोधपुर. शाबाश इंडिया

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बेलवा, बालेसर, जोधपुर ग्रामीण ब्लॉक में इको क्लब, यूथ क्लब और इनोवेशन क्लब के अध्यक्ष एवं सचिव पद हेतु लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत मतदान संपन्न हुआ। इस आयोजन में 340 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया को निर्वाचन साक्षरता क्लब के विद्यार्थियों ने जिम्मेदारी के साथ संपन्न किया। इस आयोजन से छात्रों में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का बोध हुआ। इको क्लब के भावना अध्यक्ष, भरत सचिव, यूथ क्लब के रवीना अध्यक्ष, थान सिंह सचिव, आईटी इनोवेशन क्लब के स्वरूप सोलंकी अध्यक्ष, शैलू शर्मा सचिव सभी की सहमति से चुने गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य, पीईईओ योगेश सांखला एवं निर्वाचन साक्षरता क्लब प्रभारी कौशल सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय परिवार की सक्रिय सहभागिता रही। विशेष रूप से शिक्षकों में भवानी सिंह, संजू खुराना, पूनम सिंह, रमन कंवर, देवेन्द्र कुमार, अर्चना, गणपत राम, अमित शर्मा, सुरजा राम एवं बाबू राम सुथार ने सहयोग प्रदान किया। इस चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने में भारती एयरटेल फाउंडेशन का विशेष सहयोग रहा, जिसकी तकनीकी एवं संरचनात्मक सहायता से यह आयोजन अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी रूप से संपन्न हो सका। विद्यालय परिवार की इस पहल से न केवल छात्रों में लोकतांत्रिक समझ विकसित हुई, बल्कि उनमें नेतृत्व और सहभागिता की भावना भी प्रबल हुई।

मंदिर, तीर्थ क्षेत्र व धर्मस्थल बन रहे पिकनिक स्पॉट

धर्मस्थलों पर परिधानों की मर्यादा व धार्मिक अनुशासन की उड़ रही धज्जिया

वर्तमान परिपेक्ष में जहां सब कुछ परिवर्तित होता जा रहा है वहां मंदिर व तीर्थों पर प्रवेश व दर्शन करने की परंपराओं में भी बहुत तेजी के साथ बदलाव हो रहा है। आज तीर्थ क्षेत्रों पर लोग धर्म कम पिकनिक मनाने अधिक जाते हैं और धर्म की मर्यादा ये तार-तार हो रही हैं ।जब हमारे ही परिवार की बहू बेटियां हमारे ही समक्ष ऐसे परिधान पहन कर धर्म स्थल में प्रवेश करती हैं जो मर्यादा की हर हद को पार कर देती हैं। यहाँ अब इन सब बातो को इंगित करने व लिखने में भी डर लगने लगा है। लोग पक्का कहेंगे की आपकी मानसिकता बहुत ही छोटी व तुच्छ है लेकिन यह बात यहां पर स्पष्टता के साथ लिखना चाहता हूं कि मंदिर में हम आखिर जाते क्यों है ? भगवान की भक्ति व आत्म शुद्धि करने के लिए या हम अपने फैशन को दिखाने के लिए या अन्य दर्शनार्थियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए मंदिर जाते हैं। जैन धर्म में जहाँ पंच महाव्रत व संयम साधना को पूरा मान दिया गया है , वहीं अपने कृत्य की यह बानगी क्या धर्म की मर्यादाओं को खंडित नहीं करती है ? माना कि आज युवा पश्चिमी सभ्यता से आकर्षित है , लेकिन कभी तो इस पर विचार कीजिए कि मंदिर और तीर्थ क्षेत्रों पर भी आप इस प्रकार अमर्यादित परिधान पहन कर जाना उचित है ? परिजनों की मानसिकता पर भी दया आती है जो यह सब चुप चाप सहन कर एक तरह से मौन रह कर कर्म बंध कर रहे हैं। परिवार को संस्कारित करने का प्रथम दायित्व परिजनों का है। परिजन ही युवाओं के आइकॉन होते है गुरु का नंबर उसके बाद आता है । यहां मैं यह भी इंगित करना चाहता हूं कि युवाओं को धर्म से जोड़ना अतिआवश्यक है केवल कुछ मर्यादाओं के साथ क्योकि युवा मन ज्यादा पाबंदियां सहन नहीं कर पाता है। लेखक ना तो नकारात्मक विचारों का व्यक्ति है ना ही संकीर्ण मानसिकता को धारण करने वाला लेकिन फिर भी इस विषय पर उंगली जरूर उठाना आवश्यक है कि मंदिरों में प्रवेश करते समय कुछ नियमावली अवश्य होनी चाहिए। एक या दो क्षेत्रों पर यदि अमर्यादित परिधान पहनने वालों को मंदिरों में प्रवेश से रोक दिया जाये (जैसे की बहुत से समाज के धार्मिक स्थल पर प्रवेश हेतु निर्धारित परिधान आवश्यक है) तो निश्चित रूप से एक माइलस्टोन की स्थापना होगी। जिसकी इस समय महती आवश्यकता है ।समस्त जैन मंदिरों ,जैन तीर्थों पर अमर्यादित परिधानों को पहनकर प्रवेश रोकने हेतु आवश्यक रूप से कठोर नियमावली बननी चाहिए। रील का बढ़ रहा चलन नये युग का प्रारंभ हो रहा है वर्तमान में सोशल मीडिया का नशा सर चढ़कर बोल रहा है। ऐसी स्थिति में धर्मस्थलों व तीर्थ स्थलों पर पहुंचकर बड़ी मात्रा में रील बनाने का चलन बढ़ने लगा है जिससे क्षेत्र की मर्यादा धूमिल हो रही है। जिस पर भी चिंतन मनन और मंथन की अति आवश्यकता है। जिसका ताजा उदाहरण दिल्ली में मानस्तंभ पर जूते चप्पल पहने हुए हुआ फिल्मांकन है ।किसी और पर उंगली उठाने से पहले स्वयं की तरफ भी देखना जरूरी है कि हम क्या कर रहे हैं। जैन धर्म के अनुयायी ही स्वयं तीर्थ क्षेत्र पर जाकर ऐसी रील बनाते हुए नजर आते हैं जिसमें महिलाओं की संख्या कुछ अधिक नजर आ रही है। आज वैसे ही जैन समाज कठिनाई के दौर से गुजर रहा है यह सब कुछ विचारणीय है। उसके साथ ही सुधारणीय भी है। जिसकी की सख्त आवश्यकता है। उत्तम क्षमा के साथ

संजय जैन बड़जात्या कामां राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री जैन पत्रकार महासंघ

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

श्योपुर प्रताप नगर सांगानेर में 8 वर्ष से ऊपर के बच्चों ने जिन प्रतिमा के अभिषेक और पूजन की

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 10 अगस्त रविवार 2025 को प्रातः 8:30 बजे श्री 1008 चंद्र प्रभु जिनालय श्योपुर प्रताप नगर सांगानेर में 8 वर्ष से ऊपर के छात्रों से जिन प्रतिमा के अभिषेक और पूजन कराई गई। वह छात्राओं से पूजन कराई गई कार्यकारी कमेटी के अध्यक्ष दिलीप पाटनी ने बताया कि यह संस्कार शिविर का कार्यक्रम हर महीने के एक रविवार को बच्चों के लिए अभिषेक और पूजन का कार्यक्रम रखा जाता है जिसमें बच्चों को संस्कार सिखाए जाते हैं। इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष मुकेश जैन सहयोगी नितेश जैन नमेंद्र जैन कुलदीप जैन अजय साह बी नवीन वेद अमीता साह संतोष सेठी रीता भारती बीना पाटनी उपस्थित रहे। सभी ने अपना सहयोग प्रदान किया संयोजक राकेश पाटनी ने बताया कि यह कार्यक्रम सभी मंदिरों में रखा जाना चाहिए ताकि बच्चों मैं संस्कार का बीजारोपण हो सके।

सम्मेद शिखर यात्रा के यात्रियों ने सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी के दर्शन किए

गुंसी. शाबाश इंडिया

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी की सुविज्ञ शिष्या ज्ञानश्री माताजी संसघ से नैनवां युवा संघ के 400, यात्रियों ने शाश्वत सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखरजी के लिए यात्रा आनंद पूर्वक संपन्न हो ऐसा आशीर्वाद प्राप्त किया। माताजी ने प्रवचन में कहा सभी को अपने अतीत को भूलकर,घर गृहस्थी की समास्या को छोड़कर,बेटा बहु ,बेटी दमाद, सांस ससुर, भाई बहिन, पडोस आदि जितनी भी जीवन की समस्याएं हैं उस सब को शांतिनाथ भगवान के चरणों में अर्पित करें और एक नयी सोच से यात्रा प्रारम्भ करें। जिनेन्द्र प्रभु के भक्तों ने अभिषेक शांतिधारा आदि की । यात्रा जाने वाले सभी सदस्यों का सम्मान चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष -विष्णु बोहरा, कार्याध्यक्ष सुनील भांजा , स्वागतध्यक्ष महावीर पराणा निवाई वालों ने किया।

विक्रम सिंह निर्विरोध सीनियर वाइस प्रेसिडेंट निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया। जिला शतरंज संघ के हाल में हुए चुनाव में विक्रम सिंह निर्विरोध सीनियर वाइस प्रेसिडेंट निर्वाचित हुए। अंतरराष्ट्रीय रेटेड खिलाड़ी विक्रम सिंह की क्लासिकल में 2006 रेटिंग, रैपिड में 1945 रेटिंग व ब्लीट्ज में 1964 रेटिंग है। विक्रम सिंह विश्व शतरंज संघ (फीडे) से मान्यता प्राप्त आर्बिटर और कोच भी है। वर्ष 1990 में पाँच बार के विश्व विजेता विश्वनाथन आनंद के विरुद्ध साइमल चेस मैच में विजेता हुए थे। 1994 में ऑल इंडिया अंतर विश्वविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में विजेता बनी राजस्थान विश्वविद्यालय टीम के मेम्बर थे। विक्रम सिंह ने वर्ष 2001, 2004 व 2005 में ऑल इंडिया बीएसएनएल शतरंज प्रतियोगिता में खिताब पर कब्जा किया। **जिनेश कुमार जैन, मीडिया प्रभारी**

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ बागीदौरा एवं गंगा तलाई के संयुक्त तत्वावधान मे वार्षिक अधिवेशन एवं स्काउटर गाइडर संगोष्ठी संपन्न हुई

बागीदौरा. शाबाश इंडिया। राजस्थान राज्य भारत सरकार गाइड के दो दिवसीय वार्षिक संगोष्ठी का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती रेखा रोत मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बागीदौरा, अध्यक्षता स्काउट प्रधान हीरालाल जैन, विशिष्ट अतिथि कीर्ति श्रीमाली प्रधानाचार्य, उमेश चंद्र जोशी प्रधानाचार्य ,केशव लाल गरासिया सेवानिवृत्ति प्रधानाचार्य , जगजी कटारा हरिश्चंद्र उपाध्याय आदि रहे। सर्वप्रथम मां शारदे की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर स्काउट प्रार्थना दया कर दान भक्ति के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्वागत उद्बोधन दिलीप कुमार प्रधानाचार्य मॉडल स्कूल छींच ने किया।

डॉ सन्ध्या यादव मां भारती सेवा सम्मान से अलंकृत

वाराणसी. शाबाश इंडिया

चिकित्सा व समाजसेवा के क्षेत्र में किये गए उत्कृष्ट योगदान के लिए वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विषेषज्ञ एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संध्या यादव को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर विश्व गंगा वाहिनी एवं शोध संस्थान, फतेहाबाद, आगरा द्वारा मां भारती सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। गौरतलब हो कि डॉ. संध्या ने कम उम्र में ही ना सिर्फ चिकित्सा बल्कि समाजसेवा के क्षेत्र में जो कार्य किया है, वह काफी अनुकरणीय है। समय-समय पर अपने सहयोगियों के साथ मिलकर गरीब बस्तियों में सेवा भाव के साथ निशुल्क चिकित्सा शिविर में महिलाओ को मुफ्त मेडिकल परामर्श, जांच व दवाइयां उपलब्ध करवाती हैं। डॉ संध्या गांव गांव जाकर महिलाओ को रोगों से बचाने के साथ ही उनके स्वास्थ की देखभाल कर रही हैं। महिला रोगों पर इनके आलेख पत्र पत्रिकओं में प्रकाशित होते रहते हैं। पूर्व में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अलंकरण काशीरत्न सम्मान, गोवर्धन श्री सम्मान, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जन्मोत्सव 2021 के अवसर पर चिकित्सा छेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र से सम्मानित , सेवा सम्मान अलंकरण 2021, साहित्य शक्ति सम्मान, अंतराष्ट्रीय भूषण सम्मान, राम किशुन महतो शिक्षक सम्मान, यूनिवर्सल लाइफ टाइम अचीवमेट सम्मान, आदि से सम्मानित डॉक्टर संध्या स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर गर्भवती महिलाओं को जागरुक करते हुए कहती है कि शरीर के विकास और स्वास्थ्य के लिए आहार के महत्व को किसी स्थिति में कम नहीं आंकना चाहिए ।

भावना पूर्वक देव शास्त्र एवं गुरु की विनय दर्शन, ज्ञान, चारित्र तप पूर्वक करना चाहिए: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

टोंक. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री वर्धमानसागर जी श्री आदिनाथ जिनालय नसिया जी में संघ सहित विराजित है।सोलह कारण पर्व के अंतर्गत आज उपदेश में बताया कि सोलहकारण भावना से तीर्थंकर नाम कर्म प्रकृति का बंध होता है। यद्यपि वर्तमान में साक्षात भगवान और श्रुत केवली नहीं है किंतु भावना भवनाशिनी होती है भावना संसार के जन्म मरण का कारण होती है। भावना आत्मा के शुभ परिणाम अनुसार शुद्धता पूर्वक करना चाहिए।तभी पुण्य की प्राप्ति होगी। विनय में बताया कि देव शास्त्र एवं गुरु की विनय दर्शन, ज्ञान, चारित्र,तप, के साथ उपचार विनय भी करना चाहिए। विनय से सब प्राप्त हो सकता है विनय मोक्ष का द्वार है।विनय सम्पन्नता से जीवन का निर्माण कर एक दिन मोक्ष निर्वाण को प्राप्त कर सकते हैं यह मंगल देशना आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने धर्म सभा में प्रगट की राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने आगे 6 अंतरंग तप और 6 बाह्य तपों की विवेचना की। जिस प्रकार खदान से निकले स्वर्ण की कालिमा अशुद्धि अग्नि में 16 ताव देने से दूर होती हैं उसी प्रकार अनेक गतियों पर्याय में भ्रमणकर आत्मा भी राग द्वेष,विकार,कारण कर्मो से मलिन है तप से कर्मो की मलिनता दूर करने का शुभ भावों से पुरुषार्थ करना होगा। आचार्य श्री ने आगे स्वाध्याय तप की विवेचना में सन 1974 का प्रसंग बताया कि जब हम शिष्य स्वाध्याय करते थे तो दीक्षा गुरु दूसरे रास्ते से जाते थे ताकि स्वाध्याय में बाधा नहीं हो क्योंकि शिष्य गुरु को देखकर विनय करेगा किन्तु स्वाध्याय में विघ्न होगा ऐसा सभी श्रावकों को ध्यान देना चाहिए कि गुरु या अन्य किसी की साधना स्वाध्याय में विघ्न नहीं हो। स्वाध्याय में तन शुद्धि के साथ कषाय मनशुद्धि ,कालशुद्धि का ध्यान रखना भी जरूरी है । मन की स्थिरता से शरीर की शुद्धि होती हैं।आचार्य श्री के उपदेश के पूर्व 88 वर्षीय क्षपक मुनिश्री चिन्मयसागर जी ने श्रावक और साधु को धर्म के दो हिस्से बताए हैं चातुर्मास साधु और श्रावक दोनों का होता है आपने श्रावक के 6 आवश्यक कर्तव्य देव दर्शन, अभिषेक पूजन , स्वाध्याय की विवेचना की। चार दान में बताया कि आहारदान में चारों दान समाहित है। उत्तम श्रावक साधु को आहार दान देने के बाद ही भोजन करता है, मध्यम साधु का आहार देख कर भोजन करता ओर जघन्य श्रावक साधु को आहार नहीं देता आहार नहीं देखता ओर भोजन साधु के पहले करता हैं।पूजन कैसे करना ,और पूजन का से क्या फल मिलता है उसकी सुंदर शब्दों में विवेचना की। मुनि श्री ने 6 माह पूर्व सभी अनाज का त्याग कर क्रमशः आचार्य श्री के मार्गदर्शन में अनेक खाद्य सामग्री का त्याग कर एक दिन छोड़कर मात्र दूध और जल के अतिरिक्त सब खाद्य सामग्री का त्याग कर दिया हैं आपके प्रवचन सभी मंत्र मुग्ध होकर सुन कर त्याग की अनुमोदना कर रहे है। आज समाधि साधना के दौरान प्रवचन से प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी का स्मरण आया उन्होंने भी 36 दिन की साधना में एक दिन 22 मिनट का प्रवचन दिया था। समाज प्रवक्ता पवन कंटान व विकास जागीरदार अनुसार आज सीकर से पधारे श्रद्धालुओ ने श्री जी और आचार्य श्री शांति सागर जी सहित पूवाचार्यों के चित्रों समक्ष दीप प्रवज्जलन कर आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट कर आचार्य श्री की अष्ट द्रव्यों से संगीत सहित पूजन की गई। इस मौके पर समाज के अध्यक्ष पदमचंद आंडरा, चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष भागचंद फूलेता, मंत्री राजेश सर्राफ, धर्मचंद दाखिया, राजेश बोरदा, धर्मेंद्र पासरोटियां, कमल सर्राफ, अंकुर पाटनी, अनिल आंडरा, अशोक झिराणा, अनिल सर्राफ, ओमप्रकाश मोहम्मदगढ़, प्रकाश सेठी आदि मोजूद थे। समाज के मीडिया प्रकोष्ठ मंत्री रमेश कला में बताया कि 15 अगस्त को प्रातः काल तिरंगा झंडा नशियां जी में फहराया जाएगा एवं देशभक्ति मय पूजन किया जाएगा। विशेष - 15 अगस्त को दोपहर 3 से 5 बजे तक आचार्य शांति समागम संगोष्ठी आयोजित की जाएगी जिसमे समस्त अध्यापक उपस्थित होंगे।

आर्यिका सुरम्यमति माताजी ने किया केशलोचन

फागी. शाबाश इंडिया

दिगम्बर साधुओं के 28 मूल गुणों में केश लोचन एक मूल गुण है, जिससे आत्मा की शुद्धि और कर्मों की निर्जरा होती है : पंडित कैलाश कडीला

कस्बे में आचार्य सुन्दर सागर जी महाराज की सुयोग्य शिष्या आर्यिका सुरम्य मति माताजी स संघ धर्म की भव्य प्रवाहना बढा रही है कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि पार्श्वनाथ चैतालय में आज अभिषेक, शांतिधारा,अष्ट द्रव्यों से पूजा अर्चना के बाद सामूहिक रूप जयकारो के साथ शांतिधारा की गई, कार्यक्रम में चातुर्मास समिति के अध्यक्ष मोहनलाल झंडा एवं फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा ने संयुक्त रूप से बताया कि पावन चातुर्मास 2025 में आर्यिका सुरम्य मति माताजी स संघ के पावन सानिध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें प्रतिदिन सांयकाल आनंद यात्रा, महा आरती, भक्तामर दीप अर्चना, सहित अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ,युवाओं में धर्म की प्रभावना दिनों दिन बढ़ती जा रही है इसी कड़ी में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं मंत्री कमलेश चौधरी ने बताया कि आज आर्यिका सुरम्य मति माताजी का संत भवन भव्य केश लोचन हुआ कार्यक्रम में सभी श्रावक श्राविकाओं ने णमोकार के

जाप्य करते हुए उक्त दृश्य को देखकर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में चातुर्मास समिति के संरक्षक पंडित कैलाश कडीला ने केश लोचन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केश लोचन दिगम्बर मुनि, आर्यिका माताजी की एक महत्वपूर्ण चर्या है, जिसमें वे अपने हाथों से बालों को उखाड़ते हैं, यह एक तपस्या है और शरीर से ममत्व दूर करने का एक तरीका है,केश लोचन के माध्यम से साधु -संत अपने कर्मों को क्षय करने का प्रयास करते हैं , और मोक्ष के मार्ग पर आगे बढ़ते हैं। केश लोचन एक कठिन तपस्या है जो साधु संतों को संस्कारिक सुखों से दूर रहने और आत्म नियंत्रण मैं मदद करती है, उन्होंने बताया कि केश लोचन की परंपरा हजारों वर्षों से चली आ रही है, दिगम्बर साधुओं के 28 मूलगुणों में केश लोचन एक मूल गुण है। जिससे आत्मा की शुद्धि होती है और कर्मों की निर्जरा होती है, कार्यक्रम में पंडित संतोष कुमार ने बताया कि प्रत्येक दिगंबर जैन साधु चार महीने में एक बार केश लोचन करता है, यह तप,त्याग और संयम का प्रतीक है, केश लोचन एक तपस्या है, जिसमें साधु और साध्वी अपने हाथों से बालों को उखाड़ते हैं जिससे शरीर का आकर्षण कम होता है, ताकि वे संस्कारिक मोह माया से दूर रह सके, केश लोचन के दिन साधु संत उपवास करते हैं और आत्म साधना में लीन रहते हैंजिससे मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। चातुर्मास समिति के मितेश लदाना ने बताया कि 48 दिवसीय भक्तामर दीप अर्चना में प्यारचंद, त्रिलोकचंद, शिखर चंद्र ,पीपलू वाले परिवार ने सहभागिता निभाते हुए धर्म लाभ प्राप्त किया।

-राजाबाबू गोधा जैन महासभा मिडिया प्रवक्ता राजस्थान

सुबोध पब्लिक स्कूल, एयरपोर्ट, सांगानेर, जयपुर में श्रीकृष्ण जन्म उत्सव का हुआ भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुबोध पब्लिक स्कूल, एयरपोर्ट, सांगानेर, जयपुर की फाउंडेशन क्लासेस में श्रीकृष्ण जन्म उत्सव का आयोजन 13 अगस्त 2025 को बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ णमोकार मंत्र के साथ हुआ, जिसके पश्चात विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती शालिनी कपूर ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बच्चों ने अपनी मधुर आवाज में भजन 'अच्युतम केशवम'' प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्रिंसिपल श्रीमती शालिनी कपूर ने जन्माष्टमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक बातें साझा कीं। कार्यक्रम में कक्षा द्वितीय के सार्थक अग्रवाल ने प्रभावशाली भाषण दिया, वहीं मास्टर परीक्षित ने अपनी मधुर भजन प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। सारा शर्मा ने अपनी सुंदर कथक नृत्य प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अभिभावकों ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।अभिभावकों ने अपने नन्हें कान्हा के साथ यशोदा के रूप में सुंदर प्रस्तुतियां दी । कक्षा द्वितीय के बच्चों ने समूह गीत ह्लनन्हा सा फूल हूं मैंह्व प्रस्तुत कर कार्यक्रम की भव्यता बढ़ाई। छात्रों द्वारा प्रस्तुत श्लोकों ने सभी को प्रभावित किया, जबकि नन्हे-मुन्ने बच्चों का महारास नृत्य कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। अंत में बच्चों के कृष्ण संकीर्तनके साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। भक्ति, सांस्कृतिक विविधता और उत्साह से परिपूर्ण यह श्रीकृष्ण जन्म उत्सव सभी के लिए अविस्मरणीय और सफल आयोजन सिद्ध हुआ।

सुन रहे हो, रोटी ना मांगों - रोटी बनाना सीखो और खिलाकर खाना सीखो: मुनिश्री सौम्य सागर महाराज

संजय सागर सिंह. शाबाश इंडिया

आगरा। रोटी ना मांगों - रोटी बनाना सीखो और खिलाकर खाना सीखो। यह महत्वपूर्ण सूत्र आज छिपीटोला के निर्मल सदन में मुनिश्री सौम्य सागर महाराज ने सभा में मौजूद जैन अनुयायियों को दिया। मुनि श्री ने कहा - सुन रहे हो, रोटी ना मांगों - रोटी बनाना सीखो और खिलाकर खाना सीखो। आप लोग सुन रहे हैं लेकिन अगर हम आहार दान करना ही भूल गए तो हम जैन मुनियों के संकल्प और त्यागी भी भूल जाएंगे। तुम्हारा त्याग आहार दान के रूप में है क्योंकि तुम सब त्याग नहीं कर सकते इसलिए आहार दान ही त्याग का महत्वपूर्ण माध्यम है। तुम्हारे छिपी टोला में सत्येंद्र जैन जैसे त्यागी लोगों के बहुत सारे उदाहरण हैं। क्योकि जैन धर्म का भाव यही है इसलिए आहार दान दाता बानो, तभी तुम्हारा व्रत सार्थक हो जाएगा और सच बात तो यही है कि इसी आदित्य व्रत के कारण मात्र जैन संस्कृति ही नहीं भारतीय संस्कृति विश्व में विश्व गुरु के रूप में आज भी तैनात है। उन्होंने आगे कहा कि और इस चीज को ही हमसे छीनकर विदेशी आताताइयों ने भारतीय संस्कृति पर गहरा कुठारा घात किया तो तुम्हें वर्षों बरस गुलामी की बेड़ियों में गुलाम बनाकर रखा। अगर अब वाकई में आजादी के आसमान में तुम उड़ना चाहते हो तो, तुम दान व्रत को जारी रखो। उन्हीने आखिर में कहा कि विदेशी आताताइयों ने भारतीय संस्कृति में फूट डालो और राज करो का खतरनाक बीज बो दिया कि यहां पर एक दूसरे को कोई सहयोग न करने वाला, सहायता न करने वाला, दूसरों के दुख दर्द में ख्याल रखने वाला और असहाय गरीगों के दुख दूर करने वाला मुश्किल ही मिल पाए ऐसे ऐसे इंतजामतरफ किए और भारत भूमि पर सैकड़ो वर्ष राज किया। इसलिए राष्ट्रहित में एक बनों और नेक बनों।

परेशानियों के सामने सीना तानकर खड़े हो जाएं ये परेशानी भाग जायेंगी: मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

आज अखंड भारत दिवस पर होगी विशेष सभा जैन समाज निकालेगा विशाल तिरंगा यात्रा: विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

परेशानीयो से भागना नहीं है जिंदगी की परेशानीयो के सामने एक बार सीना तान कर खड़े हो जाए परेशानियों के सामने खड़े होते ही परेशानीया दुम दबाकर भाग जायेंगी प्रकृति की व्यवस्था है दुष्ट जनों को कर्म बुरे करेने से नहीं रोकता फिर उसे सजा भी कर्म ही देता है मैंने आप लोगों की तरफ से प्रकृति मां से बहुत याचना की है मां ये धर्मात्मा है आप का भक्त है फिर भी दुष्ट लोग इसको परेशान कर रहे हैं प्रकृति मां आपके रहते हुए ये कष्ट में है मां कहती हैं क्या मुझे पता नहीं है मां नहीं समझती है इसे अशुभ कर्म करने दे जब इसको कर्म सजा देगा उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए

दूसरे का पेट भर सको ऐसा कुछ करें

उन्होंने कहा कि स्वयं भूखे रहकर भी दूसरे का पेट भर सको तो भर देना साधु और ड़ाकू दोनों मां के जायज बेटे हैं एक सदमार्ग पर चल रहा दूसरा दुर्जन निकला। दुर्जनों को कर्म ही सजा देगा उन्होंने कहा कि मैं कभी झूठ नहीं बोलूंगा सत्य बोलने का नियम नहीं लिया है यदि सत्य बोलने का नियम ले लिया तो बोलना शुरू कर दिया तो कभी मोक्ष हो गया ही नहीं आप लोगों ने दीक्षा देखी होगी यहां कपड़े उतारना है धन धान्य का त्याग करना है सब कुछ छोड़ता ही चला जाता है।

15 अगस्त निकलेगी विशाल तिरंगा यात्रा

इस दौरान जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि स्वतंत्रता की 79 वी वर्षगांठ पर परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद से दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान जैन जागृति मंडल व जैन शासान एकता संघ के संयोजन में दोपहर दो बजे सुभाष गंज मैदान से भव्य तिरंगा यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सुभाष गंज मैदान में पहुंच कर सभा में बदल जायेगा इस दौरान परम पूज्य का राष्ट्र के नाम सन्देश होगा वहीं चौदह अगस्त को विश्व हिन्दू परिषद के संयोजन में अखंड भारत दिवस पर विशेष व्याख्यान होगा।

आपके समाने अहित करने वाला आया है तो भी समता पूर्वक सहें

उन्होंने कहा कि आपके समाने अहित करने वाला आया है तुम तुरंत जाकर आपको चहाने वाले के साथ जिंदगी व्यतीत कर देना छ महीने तक उसके सामने मत जाना देखना की छ महीने

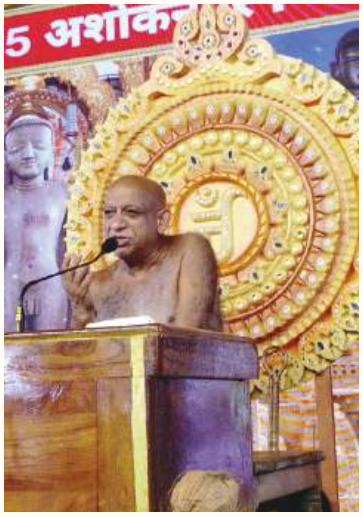

बाद आप देखना समाने वाद तुम्हारे समाने झुकाता फिरेगा तुम्हारे लिए ऐसा विश्वास होना चाहिए कि मेरा विश्वास बोल रहा है कि क्या भगवान तेरा अहित कर सकता कभी नहीं ऐसा विश्वास होना चाहिए ऐसे ही नहीं वन जातें तीस तीस मिनट में तीर्थ क्षेत्र मेरा विश्वास है मैं जो कुछ भी करता हूं अपने विश्वास पर करता हूं दुश्मन को बसमे करके झुकाया तो क्या है वह फिलीग करके आप के पास आये तव कोई बात है इंतजार करो असत्य के पैर नहीं होते दस भव तक बैर चलेगा पार्श्वनाथ दस भव तक शांत रहे और दुश्मन को झुकना पड़ा।

विश्व अंगदान दिवस पर देहदान की प्रेरणा: एक अंगदान कई जीवनदान

गढ़ी परतापुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा विश्व अंगदान दिवस पर समाजजनों से मरणोपरांत नेत्रदान, देहदान, अंगदान ओर चर्मदान तथा जीते जी रक्तदान करने की अपील की गई। एम आई गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने इस अवसर पर सभी का आह्वान करते हुए कहा कि एक अंगदान से कई लोगों को नवजीवन मिल सकता है। अंगदान किसी को जीवन दान की ओर एक कदम है, आपका एक छोटा सा निर्णय किसी का पूरा जीवन बन सकता है। इस अवसर पर कोठिया ने महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा अब तक प्रेरित 9 अंगदान एवं मरणोपरांत देहदान की घोषणा करने

वाले भाई बहनों का भी जिक्र करते हुए सभी से इनसे प्रेरणा लेने को कहा। आयोजन मे केंद्र चेयरपर्सन वीरा प्रितल पंड्या को उनके जन्मदिन पर मंगलमय शुभकामनाएं दीं गई। केंद्र सचिव रामभरत चेजारा ने मरणोपरांत अंगदान ओर नेत्रदान के इच्छुक सभी भाई बहनों से महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर के माध्यम से आवेदन कर इह भव ओर परभव दोनों ही सुधारने का आह्वान किया।

प्रीति जैन को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से प्रेमचंद दीवान की पुत्री श्रीमती प्रीति जैन धर्मपत्नी डॉक्टर दीपक राज जैन कासलीवाल को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। इनको यह उपाधि 'शोध दिशाप्रीति जैन को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। पत्रिका का हिंदी शोध पत्रकारिता में योगदान(स्त्री, दलित और आदिवासी के विशेष संदर्भ में) विषय पर शोध के लिए दी गई है। इन्होंने विभाग के सह आचार्य डॉक्टर जितेंद्र कुमार सिंह के निर्देशन में अपना शोध कार्य पूर्ण किया है।

शहर के शगुन रेजिडेंसी में आयोजित हुआ "हर - घर तिरंगा" वितरण कार्यक्रम

सीकर. शाबाश इंडिया

शहर के बजाज रोड़ स्थित शगुन रेजीडेंसी में लायंस क्लब सीकर के सौजन्य से हर घर तिरंगा ...झंडा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें सोसायटी के सभी परिवारों ने जोश उल्लास के साथ अपनी सहभागिता दर्ज की । मातृ शक्ति ने बहुत ही उत्साह के साथ इस आयोजन में भाग लिया । लायंस क्लब सेक्रेटरी विनोद दाधीच ने बताया कि इस अवसर पर लायंस क्लब से अध्यक्ष मणिशंकर काबरा,कृपाल सिंह,राजीव लोचन शर्मा, मनोज जालान,शिव कुमार अग्रवाल,प्रोजेक्ट चेयर पर्सन प्रदीप गुप्ता,उमेश त्रिवेदी,पवन सर्राफ उपस्थित थे । शगुन रेजिडेंसी निवासी विवेक पाटोदी ने बताया कि इस अवसर पर मदन लाल इनानिया, सुरेश तोदी, महावीर सैनी, डॉ जितेंद्र शर्मा, सांवर मल, सुशील जैन, सरिता बेन, नीलम शर्मा, कविता पाटोदी, सुनीता, द्रौपदी सैनी, रेखा तोदी सहित सोसायटी के छोटे छोटे बच्चों ने उल्लास से देश भक्ति के उद्घोष किए व वंदे मातरम व भारत माता की जय के नारे लगाए।

महात्मा गांधी विद्यालय देरांठू ने निकाली हर घर तिरंगा रैली

रोहित जैन. शाबाश इंडिया। शाबाश इंडिया देराठू, नसीराबाद। निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर के आदेश अनुसार महात्मा गांधी (अंग्रेजी माध्यम) राजकीय विद्यालय देरांठू (श्रीनगर)अजमेर के छात्र छात्राओं द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य अनिल गोयल ने बताया कि हर घर

तिरंगा अभियान के अंतर्गत स्थानीय विद्यालय द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया जिसमें छात्र छात्राओं एवं ग्राम वासियों द्वारा देश प्रेम और उमंग के साथ नारे लगाते हुए हर घर तिरंगा लहराएंगे ,घर-घर अलख जगाएंगे,वंदे मातरम,जय हिंद और भारत माता की जय से गांव का वातावरण देशभक्ति पूर्ण हो गया और सब ने हर घर पर तिरंगा लगाने का प्रण लिया।

बीमारी अतिथि है, शत्रु नहीं : युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी

पनवेल. शाबाश इंडिया

बीमारी भी जीवन में आने वाला एक अतिथि है, जिसे घबराकर नहीं बल्कि धैर्य और समझदारी से संभालना चाहिए। श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने बुधवार को जैन स्थानक, पनवेल में आयोजित चातुर्मास की धर्मसभा में दिया। धर्मसभा में श्रीमद् उत्ताध्ययन सूत्र के अंतर्गत अनादि मुनि और राजा श्रेणिक के संवाद का वाचन एवं विवेचन करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि अनादि मुनि ने रसायन विधि और चिकित्सा भस्म से असंख्य रोगियों का सफल उपचार किया, लेकिन अपने ही शरीर में उत्पन्न रोग का उपचार नहीं कर सके। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कई बार कठिनाइयां और बीमारियां हमारे ज्ञान और अनुभव के बावजूद आती हैं, ताकि हमारी धैर्य और आत्मनियंत्रण की क्षमता की परीक्षा हो सके। युवाचार्यश्री ने कहा जब भी शरीर में रोग या असुविधा हो, तो तुरंत हड़बड़ी में दवाइयों का सहारा लेने के बजाय दो दिन का समय स्वयं को दें। यदि इस अवधि में शरीर की प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता उसे ठीक कर दे, तो दवाई की आवश्यकता नहीं रहती। लेकिन यदि दो दिन में सुधार न हो, तो चिकित्सकीय उपचार अवश्य लें। जल्दबाजी में अत्यधिक दवाओं का सेवन कई बार शरीर की प्राकृतिक शक्ति को कमजोर कर देता है। उन्होंने समझाया जैसे किसी अतिथि के आने पर हम पहले उसका व्यवहार समझते हैं और फिर तय करते हैं कि उससे कैसा व्यवहार करना है, वैसे ही बीमारी को भी तुरंत 'शत्रु' मानकर प्रतिक्रिया देने की बजाय धैर्यपूर्वक और समझदारी से निपटना चाहिए। धर्मसभा में पनवेल सहित नाशिक, बैंगलुरु, नागपुर और पाली आदि क्षैत्रो के बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय जैन कॉन्फ्रेंस के पूर्व अध्यक्ष नेमीचंद चौपड़ा और पूर्व महामंत्री पारस छाजेड़ की विशेष उपस्थिति रही । चातुर्मास समिति के सभी पदाधिकारियों अतिथियों का सम्मान किया। अशोक बोहरा ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि युवाचार्यश्री के सान्निध्य में गुरुवार को मेवाड़ महिला मंडल अधिवेशन, शुक्रवार को स्वाधीनता दिवस तथा 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कार्यक्रम होंगे।-**प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

घायल, बीमार, अपंग और बेसहारा पक्षियों की मदद का संकल्प लिया

जयपुर. शाबाश इंडिया। मालवीय नगर स्थित राजस्थान जन मंच ट्रस्ट पक्षी चिकित्सालय में जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी की सभा आयोजित हुई। इस मौके पर सभा में उपस्थितजनों ने घायल, बीमार, अपंग और बेसहारा पक्षियों की मदद का संकल्प लिया। इस अवसर पर पक्षी चिकित्सालय के संस्थापक कमल लोचन ने उपस्थित लोगों को

पशु पक्षियों के संरक्षण और उनकी चिकित्सा के बारे में जानकारियां प्रदान करते हुए प्राणी सेवा की शपथ दिलवाई। इस दौरान कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रेखा जैन ने कहा कि हर व्यक्ति को इस पुनीत जीव दया केंद्र पक्षी चिकित्सालय में आर्थिक सहयोग प्रदान करना चाहिए। ग्रुप के संस्थापक सुनील कुमार पहाड़िया, अध्यक्ष दिलीप टकसाली, संयुक्त सचिव राजेंद्र पाटनी के अलावा यशवंत कुमार, कमल कुमार सेठी, रमेश कुमार जैन, प्रकाश अजमेरा, संजय छाबड़ा, अशोक जैन, संजय जैन, पूनम जैन आदि ने प्राणी कल्याण की शपथ ग्रहण की। सभा में पक्षी चिकित्सालय टीम सदस्य सौम्यता लोचन और राकेश चैधरी ने स्वागत उद्बोधन प्रदान करते हुए बताया कि कोई भी व्यक्ति यहां घायल पक्षियों को लाकर या डोनेशन प्रदान कर जीव सेवा के कार्य में योगदान कर सकते हैं।

बच्चों को संस्कार बचपन से दें: मुनि आदित्य सागर

रविवार, 24 अगस्त को बच्चों के लिए जैनत्व उपनयन संस्कार शिविर का होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रुत संवेगी महाश्रमण मुनि आदित्य सागर महाराज के सान्निध्य में कीर्ति नगर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में बुधवार को आयोजित धर्म सभा में मुनि आदित्य सागर महाराज ने कहा कि बच्चों को संस्कार बचपन से देना चाहिए। बच्चों को बंदिश में नहीं रखना, लेकिन संस्कारों की माला उनके गले में हमेशा रहनी चाहिए, जो बच्चा संस्कारी होगा उसका भविष्य भी उज्जवल होगा। मुनि श्री ने कहा कि अगर बच्चों को संस्कारित नहीं किया और स्वयं संस्कारित नहीं हुए तो मंदिरों में भगवान का अभिषेक पैसे लेकर करने वाले पुजारी करेंगे और हम कुमार्ग पर चले जाएंगे । सत्य का मार्ग दिखाने वाले के वचनों को आदर्श मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें बच्चों को संस्कारित करना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि मनुष्य को स्वयं के लिए अच्छाई की ओर परिवर्तन करना चाहिए अगर ऐसा नहीं करेंगे तो बुराई की ओर परिवर्तित हो जाएंगे। मोह के साथ जीने वाला अपना अंतिम समय बिगाड़ लेता है इसलिए हमें परिवर्तन अच्छा समय मिलने पर कर लेना चाहिए। व्यसन में लीन रहने वाली जीवों का कुल खत्म हो जाता है। व्यसन में लिप्त पुत्र मित्र को हमें तत्काल छोड़ देना चाहिए। व्यसनो में लिप्त रहने वाले जीव अपना धर्म व कुल दोनों भ्रष्ट कर लेते हैं इस कारण उनका विनाश होता है। मुनि श्री ने कहा कि हमें स्वयं संस्कारित होकर संस्कारित बच्चों को जन्म देना चाहिए। साथ ही संस्कारित करने वाले साधन उपलब्ध कराना चाहिए। अगर बच्चों को बचपन से ही संस्कारित नहीं किया तो बाद में वह नासूर बन जाएंगे। बच्चों को संस्कारित करने का सही समय बचपन होता है। अपना पुत्र व घनिष्ठ मित्र भी अगर शत्रु से मिल जाए तो उसे छोड़ देना चाहिए। लेकिन कभी ऐसा कार्य मत करना कि मित्र शत्रु बन जाए। मित्र अगर गलती कर दे तो क्षमा कर देना चाहिए लेकिन धोखा करता है तो उसे तत्काल छोड़ देना चाहिए नहीं तो वह हमारा विनाश करेगा। जिस देश में जितना टैक्स बढ़ेगा उतनी चोरी ज्यादा होगी और जितना टैक्स कम होगा उतनी ही चोरी है कम होती है यह इकोनॉमिकल सिद्धांत है। अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि इससे पूर्व दीप प्रज्जवलन, मंगलाचरण के आयोजन किये गये। सायंकाल श्रुत शंका समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि गुरुवार, 14 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे धर्म सभा में मुनि आदित्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। मुनि श्री के सानिध्य में होगें कई विशेष धार्मिक आयोजन - प्रचार-प्रसार मुख्य समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा एवं प्रचार संयोजक आशीष बैद के मुताबिक शनिवार, 23अगस्त को जैनत्व दम्पति संस्कार - 2025 का आयोजन किया जाएगा। जिसमें दम्पतियों को संस्कार दिये जाएंगे। रविवार, 24 अगस्त को जैनत्व उपनयन संस्कार शिविर -2025 का आयोजन किया जाएगा जिसमें बच्चों को संस्कार दिये जाएंगे। श्री जैन के मुताबिक दशलक्षण महापर्व के दौरान 28 अगस्त से 6 सितम्बर तक दस दिवसीय आध्यात्मिक श्रावक साधना संस्कार शिविर - 2025 का मुंशी महल गार्डन, टौक रोड़ पर विशाल आयोजन होगा जिसमें पूरे देश से श्रद्धालु शामिल होंगे।

-विनोद जैन कोटखावदा

जायंट्स ग्रुप ऑफ जोधाणा एवं सनसिटी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोधपुर । जायंट्स ग्रुप ऑफ जोधाणा एवं जायंट्स ग्रुप ऑफ सनसिटी का शपथ ग्रहण समारोह संयुक्त रूप से स्वास्थ्य साधना केंद्र, चौपासनी में आयोजित हुआ। जोधाणा के अध्यक्ष सुरेन्द्र राज मेहता ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में शहर विधायक अतुल भंसाली, भामाशाह श्याम कुम्भट, उत्कर्ष क्लासेज के निर्मल गहलोत, समाजसेवी विनोद सिंघवी, देवेन्द्र गेलड़ा, हेमंत घोष, सोहन भूतड़ा, श्रीमती लीला मूंदड़ा, श्रीमती प्रभा सिंघवी सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहें साथ ही समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए विनोद सिंघवी को अभिनंदन पत्र देकर उनका विशेष सम्मान किया गया। इस द्वारा भगवती चौधरी ने योगा एवं विधि दाधीचे द्वारा भरत नाट्यम की प्रस्तुति दी। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ग्रुप द्वारा किए गए सेवा कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया साथ ही सुरेन्द्र राज मेहता एवं सोनिया रामावत चौथी बार अध्यक्ष पद की शपथ ली साथ ही सचिव, कोषाध्यक्ष के साथ नवीन सदस्यों को गोपनीयता की शपथ दिलाई गई । इस दौरान भामाशाह एवं प्रमुख समाजसेवी श्याम कुम्भट को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया ।

वीआईवीएफ में 'बियॉन्ड द बुक्स' वर्कशॉप में स्टूडेंट्स ने सीखे रचनात्मकता के गुर

मेकरम आर्ट, डेलीकेयर, पर्सनलिटी डेवलपमेंट और आयुर्वेदा इन मॉडर्न हीलिंग पर टिप्स

उदयपुर. शाबाश इंडिया

दक्षिण राजस्थान की प्रतिष्ठित साई तिरुपति यूनिवर्सिटी उदयपुर के वीआईएफटी और विम्स कॉलेज द्वारा ''बियॉन्ड द बुक्स'' नामक तीन दिवसीय विशेष वर्कशॉप श्रृंखला का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों से साथ व्यावहारिक, रचनात्मक एवं व्यक्तित्व-विकास से जुड़े कौशल सिखाना था। इसमें उदयपुर शहर और आसपास के जिलों के कई विद्यार्थियों ने भाग लिया। संघ चैयरपर्सन आशीष अग्रवाल ने बताया कि कार्यशाला में पहले दिन 'मेकरम आर्ट वर्कशॉप' में पूर्णिमा शर्मा ने प्रतिभागियों को मेकरम नोटिंग कला की बारीकियां बताते कहा कि इस क्षेत्र में करियर बनाने की अपार संभावनाएं हैं। कार्यशाला के दूसरे दिन 'डेली केयर एंड सेल्फ ग्रूमिंग वर्कशॉप' में गरिमा चौहान ने रोजमर्रा की देखभाल और व्यक्तित्व निखारने के टिप्स दिए। इसी कड़ी में तीसरे दिन 'पर्सनलिटी डेवलपमेंट वर्कशॉप' के पहले सत्र में डॉ. सचिन गुप्ता ने छात्रों को व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल और नेतृत्व क्षमता पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं, दूसरे सत्र आयुर्वेदा इन मॉडर्न हीलिंग विषय में डॉ. विष्णु कुमार ने आधुनिक चिकित्सा में आयुर्वेद की प्रासंगिकता और उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में कई नयी चिकित्सा प्रणालियां आ गयी हैं लेकिन आयुर्वेद की उपयोगिता कम नहीं हुई है। स्टूडेंट्स ने बताया कि इन सत्रों के माध्यम से उन्हें नये कौशल सीखने के अलावा आत्मविश्वास, रचनात्मक सोच और पेशेवर सफलता की दिशा में लाभ होगा. मेंटॉर्स का स्वागत निदेशक डॉ. रिमझिम गुप्ता ने किया।

-रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

पुरुषार्थ से नर से नारायण बना जा सकता है: आचार्य सुन्दर सागर महाराज

धूमधाम से मनाएंगे स्वाधीनता दिवस- होंगे विभिन्न आयोजन

जयपुर. कासं। सांगानेर की चित्रकूट कालोनी स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मासरत आचार्य सुंदर सागर गुरुदेव ने बुधवार, 13 अगस्त को आयोजित धर्म सभा में प्रवचन देते हुए कहा कि जो जिनेंद्र भगवान की वाणी सुनते हुए भी बाहरी प्रपंचों में पड़ता है वह वाहन जाति का देव बनता है। जिन शासन को पाकर व्यक्ति चाहे तो चारों गतियां में जा सकता है और चाहे तो चारों गतियां से रहित भी हो सकता है। वीतराग शासन पाकर भी यदि हम मुमुक्षु नहीं बन पाए तो उसे जिन शासन को पाने से क्या फायदा। जिन शासन पर को सुधारने के लिए नहीं स्वयं को सुधारने के लिए मिला है। बाहर वालों के लिए नहीं निज आत्मा के लिए मिला है। नरकी देव तिर्यच तीर्थंकर बनने का पुरुषार्थ नहीं कर सकता है। एक मनुष्य पर्याय ही ऐसी है जिसमें तीर्थंकर बनने का पुरुषार्थ हो सकता है। इसी पर्याय में नर

से नारायण भी बन सकते हैं और नर से नारकी भी बन सकते हैं और पत्थर से भगवान भी ' श्रद्धा अच्छी होगी तो तीर्थंकर बन जाएगा खराब होगी तो नरकी और बीच में होगी तो संसार में भटक जाएगा अर्जन और विसर्जन दो शब्द हैं, इनका बोध होना जरूरी है तो हमारी श्रद्धा अच्छी होगी यदि सम्यक दर्शन मोक्ष मार्ग का अर्जन करना चाहते हो तो मिथ्यात्व का विसर्जन करना होगा। मिथ्यात्व छोड़ोगे तब जाकर सम्यक दर्शन ग्रहण कर पाओगे जितना विसर्जन ज्यादा करोगे उतना अर्जन कम होगा।

इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा, जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के निवर्तमान अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया आदि ने श्री फल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। संयोजक केवलचन्द गंगवाल व संयुक्त मंत्री सत्यप्रकाश कासलीवाल ने बताया कि आचार्य के नित्य प्रतिदिन कार्यक्रमों में प्रातः 8:30 बजे से सुंदर मंगल प्रवचन व सायंकाल 6.15 बजे से आगम युक्त शंका समाधान का भव्य कार्यक्रम होता है जिसमें आमजन अपनी शंकाओं का आगम युक्त समाधान प्राप्त करते हैं। अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा एवं महामंत्री मूल चन्द पाटनी के मुताबिक गुरुवार, 14 अगस्त को प्रातः 8.30 बजे मंगल प्रवचन होंगे।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में रंगारंग प्रस्तुतियां एवं शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर के अग्रवाल फार्म स्थित पद्मावती पब्लिक स्कूल में 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास ओर देश भक्ति के साथ आयोजित किया गया। विद्यालय के नन्हें मुन्ने बालको द्वारा रंगीन तिरंगा परिधान पहनकर एक विशेष हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें देश भक्ति से ओतप्रोत रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। इस मौके पर देश के शहीदों को याद कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई जिन्होंने इस देश को अपनी जान देकर आजादी दिलाई। कार्यक्रम में श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी और कोषाध्यक्ष महेश काला की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने अपने प्रेरक शब्दों से सभी विद्यार्थियों को उत्साहित किया। प्राचार्या हेमलता जैन ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों से नागरिक बोध को पोषित करने, पेड़ लगाने ओर राष्ट्र के जिम्मेदार नागरिक बनने का आग्रह किया। कार्यक्रम में अभिभावकों के साथ मजेदार शेल्फी के पलो को एंजॉय किया और कार्यक्रम को यादगार बनाया। **-विनोद जैन कोटखावदा**